ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा नारी शक्ति के सम्मान में जो कार्य किया रहा है वह इतिहास में लिखा जाएगा: केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद

- प्रसाद बोले- पत्रकार आलोचना और व्यंग्य करें लेकिन ब्रह्माकुमारीज जैसे व्यक्ति निर्माण के कामों को भी बताएं, लोग सुधरेंगे

- वैश्विक शिखर सम्मेलन में मीडिया और आध्यात्म पर खुलकर बोले कानून मंत्री

29 सितंबर, आबू रोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय आबू रोड में चल रहे वैश्विक शिखर सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से नारी शक्ति के सम्मान में जो कार्य किया रहा है वह इतिहास में लिखा जाएगा। भारत की पहचान उसकी भौगोलिकता, देश के नाम व सीमा से नहीं है बल्कि भारत की पहचान उसकी आध्यात्मिकता से है। ब्रह्माकुमारीज के इस परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा, उत्साह, शान्ति, सद्भाव का प्रेरणादाई अनुभव हो रहा है।

शनिवार को शाम के सत्र में उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था का विश्व के 140 देशों में चेतना जागृति, ध्यान, आत्म सशक्तिकरण, राजयोग मेडिटेशन का अनवरत रूप से चल रहा कार्य साधारण नहीं है, यह परमसत्ता का ही कार्य है। परमसत्ता की सच्चाई अविभाज्य है। आंतरिक भाव से ही सत्य को खोजा जा सकता है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी आदि ने अपने- अपने तरीके से सत्य की खोज की। भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध दिया है।

बता दें कि आबू रोड के शांतिवन परिसर में आध्यात्म द्वारा एकता, शांति और समृद्धि विषय पर पांच दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 140 देशों से सात हजार से अधिक विशेषज्ञ पहुंचे हैं।

आंतरिक परिवर्तन की शक्ति राजयोग से प्राप्त होती है...

कानून मंत्री प्रसाद ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करती है। चरित्र निर्माण के लिए आंतरिक परिवर्तन की शक्ति राजयोग से प्राप्त होती है। आध्यात्म में भी पर्यावरण को सुखद बनाने की परंपरा रही है जिसके परिणामस्वरूप भारतीय संस्कृति में पेड़ों का भी सम्मान होता है। दादी जानकी 103 वर्ष की होते हुए भी महिला शक्ति को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। दादी जानकी भारत की विशिष्टता हैं। जैसी हमारी दृष्टि होती है, वैसी ही वृत्ति, कृति और सृष्टि का निर्माण होता है।

मीडिया ब्रह्माकुमारीज जैसे व्यक्ति निर्माण के कामों को भी बताए...

उन्होंने कहा कि पत्रकार आलोचना और व्यंग्य करें लेकिन ब्रह्माकुमारीज जैसे व्यक्ति निर्माण के कामों को भी बताएं। देश में 18 हजार अखबार और 250 न्यूज चैनल हैं पर आज

भी समाज में हो रहे अच्छे कार्य लोगों तक कम ही पहुंच रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज जो व्यक्ति चारित्रिक उत्थान, आध्यात्मिक विकास और संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य कर रही है मीडिया उसे लोगों को बताए, लोग सुधरेंगे। सोशल मीडिया को सही तरीके से उपयोग में लिया जाना चाहिए, इसमें हिंसा अलगाववाद को स्थान नहीं दिया जाना चाहिए। लोकतंत्र में कानून अपना काम कर रहा है। हमने महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को देखते हुए तीन तलाक हटाने, अनुच्छेद 370 को खत्म करने और बच्चों को विकास को लेकर कानून बनाए।

ाध्यात्मिक शक्ति हमें सही दिशा दिखाती है: केंद्रीय गृह राज्यमंत्री रेड्डी

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी. कृष्ण रेड्डी ने कहा कि आध्यात्मिक शक्ति हमें सही दिशा दिखाती है और बुराइयों से मुक्त करती है। ऋषि-मुनियों ने भी इसका महत्व समझकर साधना की। राजयोग से जीवन में मन को गहन शांति मिलती है। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन बीके का स्लोगन है। हम उस देश के वासी हैं जिसने सदा दिया ही दिया है। 103 वर्षीय संस्थान की मुखिया दादी जानकी ने कहा कि धैर्य व्यवहार को मधुर बनाता है। हमारा भारत देवों को स्थान माना जाता है। चारों तरफ मंदिर-मस्जिद हैं। जो प्रेम, शांति, खुशी का संदेश देते हैं। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इनका किया सम्मान...

इस दौरान केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने पायोनियर के दीपक कुमार झा, नवभारत टाइम्स के चंद्रभूषण और गुलशन राय खत्री का सम्मान किया। साथ ही निर्भया वाहिनी की संस्थापक मानषी प्रधान, तरुणी की संस्थापक ममता रघुवीर, सारथी की संस्थापक कृति भारती का भी सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए ब्रह्माकुमारीज की ओर से केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया।